

Handwritten text, possibly a title or identifier, written vertically in a stylized script.

Handwritten text, possibly a title or identifier, written vertically in a stylized script.

1049

Handwritten text, possibly a title or identifier, written vertically in a stylized script.

Small vertical text, possibly a library or archival stamp.

५

१

सुभाष चन्द्र बोस

सुभाष चन्द्र बोस

सुभाष चन्द्र बोस

श्री गणेशाय नमः ॥ इति श्री विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥
 १॥ श्री लक्ष्मीकं. ध्यातव्याकं. श्री नृपकं. ध्यातव्या
 याकोरयाय नमः ॥ २॥ ॐ श्री श्री आरवा
 यो श्री मुखि त्रिंक्षु मुखि त्रिंक्षु चय स्वाहा ॥ ध्या
 चिकन जपर ध्यावत फुस त्रिके लख जपर ध्या
 वतो नके. सालको धय गुजुल ॥ ३॥ सिंह तस्य
 वनकाकः गंग पंधि पिवति दिसा पात्रिय
 विष्णो भवति गुर्विनी स्वाहा ॥ ध्या चिकन
 जपला धाव च सुपोल स त्रियके मोल स था
 के ध्या ध संती यके. मचावुय मफुया जुल ॥ ३॥
 ॐ ५ धा ॥ अथा मार्गया हा नो नम वास्य हयाव
 मोल स रुके. सालको धय ॥ ४॥ कोच खवया
 हा त्रिता वतो नके नमार्त मचावुयके ॥ ५॥ ध्या
 उवकं या पुतिता वतो नके. सालको धय जु
 ल ॥ ६॥ ॐ ३॥ जत दल मंत्र कल न्नेह ओ हति म
 हा मासि नि ॐ ३॥ स्वाहा ॥ ध्या ॥ हा गुभा जत स
 हा कन जपर ध्याव दये. मिसा पित लय जुल ॥
 ७॥ ॐ नम सिद्धि गुरु आज्ञा गो र्वे तुल्सा आर्वा
 रजा वर तुल्सा देवि विरा वर जा जो तुल्स मथ
 ना पव वर जा वर तुल्सा देवि विरा वर जे जो तु
 ल्य मथ ना पव वर जा वर भूका रणं ध कि कि गुरे
 सिद्धि गुरु आज्ञा ॥ ध्या ॥ इका पका डय वर

आपुः राजपरवर्षे कुये कुथने मिसा वयके ॥ ८ ॥

X अं न आदेशा गुरु को काज सिद्धि वृत्ताय निचंदिता
देवी कामधो देवी वज्रयोगिनि देवी सिद्धाधार २
॥ थव लाहा ज पर पाव मंत्र बोने मंत्र भाल पा था
स वने का मिसिद्ध जुइव सत्य ३ भ ॥ ९ ॥ १२ ग

हउ तागिनि भवराय विष जां ॥ धा, यस लाय

॥ १० ॥ फु फु त स्वाहा ॥ ११ ॥ जोग स्वया हाकं क

याव धम मंत्र ज पर पाव रव व स नि भाल सने मि

साय ज दय के थव के तु मंत्र तइ जुल ॥ ११ ॥ ॐ स

ह अ म न ता लि थो ग कुं फु स्वाहा ॥ धा, न पु य

हि धिय ॥ १२ ॥ ॐ ओ व स या त्व भ य स्नाय र र र

चा कुं फु स्वाहा ॥ धुं चो के स्वाइ व ॥ १३ ॥ ॐ व ध

न व ध नि गो सि ने ग स्वाहा सिद्धि गुरु आ ज्ञा ॥

धा, वो कं सी सा स्ति या य मंत्र ॥ १४ ॥ व ध नि व ध

नि गो क सि र ह स्वाहा ॥ सिद्धि गुरु आ ज्ञा ॥ लि

काय मंत्र थ ॥ १५ ॥ ॐ न मो ना रा य ना य ॐ न

मो भ ग व ते ग रु डा ये काय स ते ते स्वाहा ॥ थ

मंत्र भु ज प व चो य ग्व ल ७ अ क्ष त न य ना य र

स न या व कु ल का न २९ नु हि ने का र वा य के थ

ख रु ति स्यां हि ध रु त या य चि कुरे ग ता श ॥ १६

॥ ॐ न म इ स दे व ता ये ॐ य अ य कि री स्वाहा ॥

ले ख ज प ल मा व तो न सी र वा क या न या गु व सु

ना श ॥ १७ ॥ न सा त र म द त सा डु गु इ त्पा दि

रुवातजामय ॥ ध्वमंत्रनसमिया विषकाय
 ॥२६॥ श्री ३ ॐ फुद स्वाहा प्रप्रेत श्री ह्रीं ॐ फुद स्वा
 हा ह्रीं श्री ह्रीं ह्रीं ॐ ॐ फुद स्वाहाः सां सां सां ॐ
 प्रें टं स्वाहाः शौं शौं शौं दिं तो प्रें टं स्वा ॥ ध्वमं
 त्रनजपर पावनेमवारे गिनो न वा के जुल ॥३०॥
 कामदेवाय विदेह कामेश्वरी विवेहि प्रपद अर
 नाक यनो पथा रु ॥ धा ३ ध्वमंत्रनसमिया लाहा
 हात जोता वज्र पर पे मिसा थ मं भ या थे चोनी
 ॥२७॥ ॐ मध रत्रिः मध उरि सक ति व क ति सु हा
 पाद क व ति वा वा द ता ए डो तिका वा चा ॥ धा ३
 महा रु ड की वा चा ॥ सूर्य या विष निका य
 मंत्र ॥३१॥ ॐ ह्रीं विं ध्रिं किं हूं फुद स्वाहा ॥ धा ३
 इका प कामि सु ड य ॥ गुल न न्या इ गुल ॥३२॥
 ॥ का पर गु जि धं त खि प त वं ध न ध न गु रु दि
 वि धा रे मा ता का ज सि द्ध ॥ छु स स चो न सु
 प त का य ज प रे पे ॥ धा ३ ल स मि सा ब्र ह्मा
 स सु प त ल स त ये प ता सि गु जि ष य ने जु ल ॥
 ३५॥ ॐ ॐ ॐ ॐ स्वाहा ॥ ध्वमंत्रन छु चै म धि
 या चा कु म धि या य ॥ ३६॥ ॐ ॐ ते रु ते स्वा
 हा ॥ लिका य मंत्र जु ल ॥ ३७॥ ॐ मा हा भै र
 वी न मो स्वा हा ॥ धा ३ दे व म नु व्यः स र्प दं कि
 ति या भ य म ड ॥ अक्ष त ज पर पा व हो ले
 पु मी भ य म ड ॥ ३८॥

ॐ सुखि महा पञ्चावि अमुक हत २ ॥ विं विं
 माताय स्वाहा ॥ फल सा १००००० जप या य थु
 लिम फल सा १०००० जप या य थु लिम सस्त्र विद्या
 मंत्र सिद्धि या य ॥ ३६ ॥ ॐ नमः सधर्म पुद रिता
 यधर्म भात कार्यः इति मे इति मे इति मे इति
 मे इति मे निमे निमे निमे निमे निमे निमे रुहे रुहे
 रुहे रुहे रुहे सुहे सुहे सुहे सुहे सुहे स्वाहा
 ॥ धूप ॥ पृथु लक्ष्म लवत्वाच रुप केशर प
 ले पु व्या वेन पत्र धुलि मंत्र पट्ट पा सम भा
 ग या य थने ॥ कर्म सिद्धि जुई ॥ ४० ॥ ॐ श्री ॐ
 वै दं तुं रुं ॥ भुज पत्र स थ व रक्त न चो य लेख
 चाकल या द थु स न य पूजा या य धु कु ती स
 न य रु थ पुजा भा य सिद्धि लाई ॥ रुपा
 या थ्य पूजा या य सिद्धि चि य गुजुल ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥ ॐ ॐ हो फट् स्वाहा ॥ धा ७ रि धि य ॥
 ४३ ॥ ॐ गुरु वे नम रुक नि भुद्र क नि रु ना क ना
 म दि उ ना थ आदि ना थ पयं गु ना थ चो र
 मि ना थ मित्र शक्ति सम रि र पा ए र र श ना क
 रे ॥ लो हं चा गी ल ४ ज प र पा व र्ण्य मू दि शा
 सं छि य वा स चो ने था स अ य म ड ॥ ४४ ॥ ॐ
 ॐ ॐ ॐ स्वाहा ॥ धा ७ थ मंत्र न जी चि नू फ
 रु स ना द य के शाने तो पु या त य ड ना व चो
 नि डु ला व स्व य ड नु या व चो नी र्वा न ॥
 ४५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥



अथ यंत्रं भुजाय च स कं कुं म
 गोत नंदन स चो या वं को
 खा यं के कि मि ना स



स्व ऊर्ध्व चालय
 मीनः के. गो. कुं.
 को. को. मि. कुं.



व्ययं न भुजाय न एवाय
 श्रीखण्डन
 सासिमदिवगुनास



व्ययं न हकुका पतमसिद्धः कर्तृ एव चायाव
 सुनानी दुंयायास्यनकात हयात कोरवाय केग
 सिद्धि जुद्ध

ॐ रथताय कृद्स्वाहा ॥ धा ७ रूपप्रमिरवास
 लाइजुल ॥ ४७ ॥ किरिमिरिस्वाहा ॥ धा २ कस्तूरि
 पलेपु निताप्यानातो नैक ॥ किमिनास ॥ ४८ ॥
 सप्रथरकरन कृद्स्वाहा ॥ धा ७ मचीडुड
 मन्वयसा मामयाडुड सजपा पावत्य नैकल
 ॥ ४९ ॥

[illegible]



ASIAN ARCHIVES

1.049

BUCHANAN MSS

ॐ अरुणाहं फट् स्वाहा ॥ धा ७ ॥ धा १४ धा १६

पुयख ओया स्वकुत पुयख नास मोस्या

करंज्य ॥ ६१ ॥ ॐ ह्रीं देवदत्त ह्रीं ह्रीं ह्रीं स्वाहा

॥ धार ३ वाने थर्ममथिना लया ह्योत्रेन

यवेलस थोर्मत्रवातानये धु याय फेमखु

॥ ६२ ॥ ॐ गुरु आत्मा महालक्ष्मी परमेश्वर

रिहते वाटो आदिनाथ माय मोरो आदि

जाने भया अवशर्पाके हं धे कातो २ ॥ धा १२

प्याथस सुयवस चुपित किय खालातो

ययाशो ययि गुजुल ॥ ६३ ॥ ॐ नमो गुरु आ

शायन मोई अं जै दौ रिं कुं फट् स्वाहा धा ११ २ ३

स्वायका आवेल भूत केश भोज पत्र धुखा

लिपो कचि न्यात्र कोखाय के मनुष्य जु

भुजुल सांचिकु ओयानाश ॥ ६४

भेरव आशा ॥ नति २ भस्म भंगे

रिते खय छ तवल कुं फट् स्वा

॥ धा ३ ह्रीं हां चाग्व ३ गहं धा ३ या डोत्र

छितान मिसाया वाहं को कय के नाम क

यात्र पता सितो कफिय के मंत्र जुल सिद्ध ॥

६५ ॥ ॐ मुनि माहा मुनि कुं फट् स्वाहा ॥ धा ७

तारवार वने मंत्र ॥ ६६ ॥ ॐ लं स्वाहा ॥ धा ३

हि छिद्य मंत्र ॥ ६७ ॥ ॐ गुरु आशा ॥ माहा

देवेनमः थो मंत्र न पूजा याये जुल ॥ धूप. इन्द्र
जव. को विवेहा. तंगराज. इका. भुक म्याल. ता
गकेशरी. इन्द्र. सिल्लाय. थुलिसम आगया
य चूरणियाय. थो धूप जपर पे ॥ मंत्र. महावि
द्या थ्व ॥ ॐ चिरि २ मिरि २ पुतली के वसमा
नय नम स्वाहा ॥ धा १०८ जपर पे. धर्म कय.
राजा. प्रजा. समस्त वश्य जुह. उत्तम विद्या
जुल थ्व ॥ ६८ ॥ ॐ भार इ रक्ष मुखि कुं कुं कि
मि क्षय २ करि कुं फ्र द स्वाहा ॥ धा ७ धर्म वचि
कन जप लपे न के. कुल लका तु २१ नय ग
धि २१ नय. मंत्र जपर पे २१ को स्वय के कि मि
तास ॥ ६९ ॥ ॐ गुरु आशा. का क्रि ते २ सर्व क्रि
ते स्वाहा ॥ धा ७ वास पुथ अंगार बार खुनु
माल. नकी छ पु मंत्र धा ७ पार पे धली सता
य. वास्या तास जुह ॥ ७० ॥ ॐ गुरु आशा ते
रपी ने तई स्वाहा ॥ धा ७ चिस जपर पे न के थ्व
न वास्या कया जुल अम् ॥ ७१ ॥ ॐ गुरु आशा
हीं हीं हीं हीं हीं हीं फ्र द स्वाहा ॥ धा ७ पुय मो
नस्या कया जुल ॥ ७२ ॥ ॐ आरजिरा मजिरा य
स्वाहा ॥ धा ३ साल्को थय जुल ॥ ७३ ॥ ॐ भीम
मेताय. कुं ३ फ्र द स्वाहा ॥ धा १०८ ॥ धूप.
रुहाय. कर्पूर. कस्तूर. बाल. मील. पुत्रे

ल. कुं. क्रम. तर्क. अने सम भाग पाये चं धने. व्य
लस पूरविये वलि. जयलपे १०८ धने विक्रि
मजूगुवस्तु विक्रि जुइ भ ॥ ७४ ॥ अंगु रूआ
गोकेल कन अकेल गप मसि द्वि कुं हां स्वाहा ॥ धा ३
प्या थस्पाक या जुल ॥ ७५ ॥ श्री नारतार यून फर
स्वाहा ॥ धा ३ वो ताव गोचन य होय मिसा न के वस्य
जुइ व ॥ ७६ ॥ श्री ३ भंग २ फर स्वाहा ॥ धा २ मिसा या
नाम कया व थव गुला हात स पुय लि काय गुजुल ॥
७७ ॥ अंकन कालि श्री वीर काली स्वाहा ॥ धा ५४ ६
विवार खुनु ला हाति न ल र व पि काय गुजुल ॥ ७८ ॥
श्री श्री विरि हं ताता फर स्वाहा ॥ धा १० शनि श्वा
वार खुनु गरि स पुजा या ता व रे वं ज पि काय जुल ॥
७९ ॥ वासु की ता गण जा श्री स्वाहा ॥ धा २ लो हं वाघ
गोल स्वान पुया व लंद थु स तय मिसा तय त पता
मि तो ल फि के गुजुल ॥ ८० ॥ श्री २ का वीर हां कुं ता २
स्वाहा ॥ धा ५ सि रु ली फि के मिसा वस्य ॥ ८१ ॥ श्री २
नार यणी फर स्वाहा ॥ धा १० माल स्या क पुय गु भ ॥
८२ ॥ अं नम श्री गुरु की आज्ञा रुख विषु चंद ने देवी कस
का चा वल क वल जाने आदि ना थ न जान मे मुख र वाइ
क ले जाइ रे र ने घा रुं ची चोर जाइ लागई श्री गुरु की
सक्ति मे र भक्ति इ श्री गोर पार्वती की वाचा ॥ ८३ ॥
इती वारा ही जाने ॥ ८३ ॥

ॐ गुरु उ पेरे सा धकी नि गुरु २ गुरु उ प क्ष हा ऊं प
दुस्वाहा ॥ धा १ धाल स पुय गुजुल ॥ ८४ ॥ ॐ रं
स्वाहा ॥ धा २ खय पि चिया छे ज पर पाव मोल स
धा ३ पुय गपट स पुय नु गल स धा ४ पुय प्वा
थ स धाल पुय व पिस को पि या व पुय धाल खा
लो ग या जुल ॥ ८५ ॥ ॐ कार चक्र मुर छे क न
फर स्वाहा ॥ धा ५ व स अ न क य के श त्रु मार न
जुल ॥ ८६ ॥ ॐ खाल पि दो कं क न पा रे जे धु नु
सें दु धि पा ए रु इ धा ए क र खोल स न म हा दे व
को स म हा दे व द ला रि स वा न ग ले वि छे र की ना
सा वा र ऊं ३ फर स्वाहा ॥ धा ६ बि कं ज पर पा व न
के धार ७ बो ने बा ट क व या ला इ जुल ॥ ८७ ॥ ॐ घो
र २ ह ने ह न ना य दो मा न रि म हा व्या धि छि ड ल
ऊं प द स्वाहा ॥ धा ७ छु न ड न क या ॥ ८८ ॥ ॐ सि
मो हि नि ॐ गो ना हि पे दे ड गु गो हि व ना ऊं ॥
धा ८ धर्म त्र न ड न मार ग या व स्त्र ज पर पा व ति
य अ नी लो भा ना इ व ॥ ८९ ॥ ॐ क मो मा कुं ऊं
ल क्ष गुरु अ ग ता ॥ धा ९ प सी नि लि ता ह व गु
वे ल स जा कि मं त्र या ना व हो ला दो य प सी वि
स्य व नी जुल ॥ ९० ॥ ॐ दु थो दे व ना न म स्कार मा
ग ध न्वं ती न म स्कार गुरु न म स्कार गुरु को ग

मेरुभक्तिफलमंत्र ईश्वर वाचा ॥ धा ॥ ६२ ॥ ओं गु
 या ॥ ६१ ॥ ॐ अजे कुरु कुं फुं स्वाहा ॥ धा ॥ ११
 धं कीं वं गुया लं खज पर पा वं तो न के तुल शुभ
 ॥ ६२ ॥ ॐ गुरं गुरं गुरुं फुं स्वाहा ॥ धा ॥ सि
 चं ॥ ६३ ॥ ॐ रि वि ज हि म रि वि
 स्वाहा ॥ धा ॥ घाल स पु य गु ॥ ६४ ॥ ॐ का त्य न
 तु न लु ग लु ध पर वे ॥ धा ॥ १०८ ॥ ५८ ॥ २९ ॥ ग म
 न या य या तं नी न स पू र्ण या न तं अ मूल मंत्र तुल
 ॥ ६५ ॥ ॐ ए म न जि रि म स्त जि हा हा फुं स्वाहा ॥ धा ॥
 हो रे या ये ॥ धा ॥ तं ख ज प न पा वं तो न के धा ॥ न वा ज
 पर पा वं तो न के सु नुं हि लो या हि छि य गु तुल ॥
 ६६ ॥ ॐ गुरु चं चं चं चं स्वाहा प छि स्वाहा ॥ धा ॥
 आ का स स पु या वं छो य सु पा य हो त स पु य थ
 न चो ना था स वा म वं य के तुल ॥ ६७ ॥ ॐ गुरु आ
 सा वं स वा री खो री श्वारी भं सारी कुं ३ फुं स्वाहा
 ॥ धा ॥ ना ना री ग या तुल ॥ ६८ ॥ ॐ मु ति मु ति य
 म हा मु ति य स्वाहा ॥ धा ॥ ५ जा कि लं ख ज पर पा वं
 दु ग न स छो के दु गु मू हा य के ॥ ६९ ॥ ॐ न मो भ ग
 वं ते क ह म स वा री स व रा य वि व हा य तिल कं ठ वं
 धु वं धं छे व य कुं फुं स्वाहा ॥ धा ॥ घाल स पु य
 कं ग लि हे वि छि वि स क ता या वि स लि का
 य तुल ॥ ७० ॥ ॐ न मो ग वा दि गा ई २ हे दि ना ना
 थं ग रं न रं दे ठ ई श्वरं म हा दे व की हो ही ॥

कुरु मंत्र वाचा

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

५४६ चैकनजपरपात्रचसपोलसत्रय

व्यादित-तकदेधनेरसाजिरहसाम्बती

विभक्तजपरपात्रप्राथसपुयचसपोल

सथाय मन्वावुय मपुया ॥१०३॥ ॐ अरु

राग कूर्च स्वाहा ॥ धा १६ प्रयमि स्वास्या

कुसुमगुप्तास्वकुतप्रयमाल ॥१०४॥

ॐ चरूं रूं रूं रूं रूं पृष्ठस्वाहा ॥ ध्या १० मूलया ॥

१०५॥ ॐ वज्रयस्यनुभात्रिकर्म ॐ ॥ धाद चाम

यंत्राणां ब्रह्मलेखादिके गुणल ॥ १०६ ॥ ॐ चरुं
यंत्राणां ब्रह्मलेखादिके गुणल ॥ १०६ ॥ ॐ चरुं

वदस्व ॥ धाश्व धर्मत्रजपरपात्रसुपतस्व
त्याकृत्वा ॥

यात्रात बगनास ॥

ॐ गुरु आस्ता. रंतभे

सकालका प्रवाशा रूपके समारे होइये ॥ ५ ॥
जपाये मिकुल त्रिशक्ति ॥ ६ ॥

श्री. कं. कालि३ महाकाली भवती त्रिपुरा ॥ १०८ ॥ ॐ गुरुभा

उमा हव गया लीब नय पाव मे मे ॥१०॥

उत्तरा ह्युत्थाल एव ज्ञायतां त्रैके ॥ १०५ ॥

ॐ ज्वालाक लातलवदस्य हस २ नाहलवेजुमुद ॥ सु
लय ललय सर्व वात वृत्ति स्तंभ य २ स्फुरत य २ यः
यः यः सर्व पात्री यंत स्वास य २ कुं फ २ ॥ के वने ला
गुपं चा ॥ कि क्रोध न आकास स हो ले सु गो फ स
पने गुजुल ॥ ११० ॥ ॐ ह्रीं नंदं कुं फ २ द स्वाहा ॥ ध्व
मंत्र मि त्रिधा १०००० वर जा मि नी सर्व लोक वसीक
रे ॥ १११ ॥ श्री २ विष्णु कालि महा वी र जा जु फ २ द स्वा
हा ॥ धा १०० गो कु ल धूप थने घं ग लां त्पा के र वा
प लं पु ये क ला हा न रा या व रु पा वि य र वा के गु जु
ल ॥ ११२ ॥ ॐ ज द स मा कुं द स्वाहा ॥ धा १५ ता हा
म स स्वा न पु या व लं ख तौ न के लि का य गु जु ल ॥
११३ ॥ ॐ कालि २ महा कालि संहार कालि कुं फ २
स्वाहा ॥ धा ७ मु ना न लं स य न सा ॥ ध्व मंत्र न लो हे
गु ल सां अ त जु ल मां हे व ने धु द न व गु क य के कुं भ
य म ड ॥ ११४ ॥ ॐ ह हार म हार क ल के स्वाहा ॥
धा ७ पि था ची ने म फु या ॥ य म दार स चि छ कू त
मंत्र वो ना ते ये र वा ले जु इ शु भ ॥ ११५ ॥ ॐ त्वा रि
कु ना स ना य स्वा हा मे धू मा लि नी ध स्वा हा ॥ धा ३
चि छ कू त लं ख स मंत्र वो ना व तौ न के म चा वु य म
फु या ॥ फु ये के जु ल ॥ ११६ ॥ ॐ त्र मो ग रु
ना ता यां म म यि यी का रे ज स ह ना ता न त र प मो
न हा थः ते रे सो व ता स्वा हा ॥ धो मंत्र दे व दे वी
या था य स अ ने क उ प चार न पू जा यो ये वा क्य

अर्घ्यां जुल ॥ ११७ ॥ ॐ ३ कालिका ॥
समस्तान् कुरुते ॥ ११८ ॥ ॐ ३ कालिका ॥
मंत्रकालीयोगकालीनमामिस्वाहा ॥ ११९ ॥
खजपलपातानके स्वपोलमेवनमेवनमखु
यानातत्रगुमनभाति ॥ १२० ॥ ॐ ३ वि
कुं ३ वि कुं ३ स्व ॥ १२१ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
गोलध्यानाभ्यस्येगुनिदयेके स्वपोलनेके
चिकुलोयया ॥ १२२ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
नि अपस्मारसायस्वाहा ॥ १२३ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
ह्रीं ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥ १२४ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
ताजपरपाखलया नातिनिके नील्विताम् ॥
१२५ ॥ ॐ कालिका राथकी वाचा ॥ १२६ ॥ ॐ कालिका राथकी वाचा ॥
गुया ॥ १२७ ॥ ॐ काकासेडलकासे ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
हा ॥ १२८ ॥ ॐ साएकर्वगुया ॥ १२९ ॥ ॐ पिलाह
तिधुरिकीजाने गुरुआज्ञा ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
मिखाडगुया ॥ १३० ॥ ॐ ओकोमारि पातिजा
ले मुरुकां ॥ १३१ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
यः भीतः तयी मखु ॥ १३२ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
एव किलिस्वाहा ॥ १३३ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
तारनये मीत्र ॥ १३४ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
हृते स्वाहा ॥ १३५ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
ॐ हं हं हं स्वाहा ॥ १३६ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥
तारनये मीत्र ॥ १३७ ॥ ॐ ३ वि कुं ३ स्व ॥

ॐ ओं ओं ओं एवा ॥ ॐ नमः वा ॥ पुयलखस ओला
भक्तिनेय पुर्क ओला जुइ ॥ २८ ॥

पेहेलोवर्गको पितल बनाउत्या

तावातोला २ जस्तातोला १ २ जोन दवल संग कोसा
वनायो उसे दवल ले गर्नु

गुलावी रंगको धातु बनाउत्या

तावातोला ३ जस्तातोला २ रङ्ग तोला १४ जो
न दवल संग कोसा वनायो उही दवल ले

सोती रंगको धातु बनाउत्या

तावातोला ३ जस्तातोला २ रङ्ग तोला १ जोन
दवल संग कोसा वनायो उही दवल ले

कवावा. जो ग मा अ क र मात दु रे व को ओ व धी

धूतताई वेस संग धस नु सुक्व य छि कप डालेन
धुयाको हिसा वगरी छायी सुत नु र पी सत्रा आउ
छने सारी तले मात दिनु वाप धी न पि न गर्नु
निको हुन्छ

ला
=

सोह को डो भी जने

आख के पाद भये को थक भुंठो त्या डनु
थक कर दी रस ता फुल को पा द् उत्पा
ई मसिनु गरी कु दनु कु दी सक्या पा छि नि
चोरी क पछान गर्नु फेर पाती फलाम्
का भो डामा पका डने ते समा चार माना तो
होल् छ भेत तन बीज ले डुई माना गाई
को छू चार तोला कागती होल् चार तो
ला सिधे दू र हाली पका डनु पात्रि मु
क्या पा छि दू मात्री वाकी रह छ तोका
सका भो डामा हाली ५१७ घडी घो दनु
घाम् मा तो सोह वात भया को वे डामो
लपाईयो ओषधी लाइ दिनु सोह मुक्या
येर जी छ ॥

वीर विक्र मा दिन्य स भवत १६८० साल जे
ह क ह द शमी का दिन चाक वा हाल
को गम धार्य पुत्र लाइ गा वाल प्रिय सत
दिज वीर लिखित म